गवर्नर का स्वागत भाषण *

दुव्वुरि सुब्बाराव

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से, यह मेरे लिए बेहद खुशी और सौभाग्य की बात है कि मैं रिजर्व बैंक की प्लेटिनम जुबली के अवसर पर स्मारक डाक टिकट जारी करने के कार्यक्रम में मुझे भारत की महामहिम राष्ट्रपति महोदया के स्वागत का अवसर मिला है। माननीय महोदया, यह अवसर सही मायने में खास है। यह पहली बार हो रहा है जब देश के प्रथम नागरिक से रिजर्व बैंक के नई दिल्ली कार्यालय को यह सम्मान प्राप्त हुआ है जिसे हमारे पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा उद्घाटन का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ था।

2. वित्त मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी, वित्त राज्य मंत्री श्री नमो नारायण मीणा तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री गुरुदास कामत का भी मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। हमें खुशी है कि हमारे बहुत से पूर्व गवर्नर, उप गवर्नर, रिजर्व बैंक का शीर्ष प्रबंधन और कई गणमान्य व्यक्ति आज यहां उपस्थित हैं। मैं आप सभी का भी हार्दिक स्वागत करता हूं।

3. किसी संस्था के कार्यकाल के संबंध में पचहत्तर वर्ष तुलनात्मक रूप से कम समय है। फिर भी, 1935 में अपनी स्थापना के बाद से इसकी यात्रा बेहद सक्रिय रही है और यहां न केवल बौद्धिकता उभरी है बल्कि देश की आर्थिक नीति में रिज़र्व बैंक को महत्वपूर्ण स्थान भी हासिल हुआ है। इस समय के दौरान, महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं - आर्थिक विचारधारा में भारी बदलाव, आर्थिक विकास पर नए दृष्टिकोण, लोगों की आकांक्षाओं में वृद्धि, दिशा परिवर्तक वित्तीय नवोन्मेष और ढांचा बदलने वाली प्रौद्योगिकीय सफलताएं। ये सब वे परिवर्तन हैं जिन्होंने रिजर्व बैंक को प्रभावित किया है और बैंक ने इन पर अपने अद्वितीय तरीके से कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक देश में हर प्रमुख आर्थिक घटना और नीति में सहभागी रहा है जो हमारे लिए गर्व की बात है और इसके व्यापक दायित्व जनता के लिए इसकी स्थायी चिंता को रेखांकित करते हैं।

* भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक कार्यालय, नई दिल्ली में 16 जनवरी 2010 को भारतीय रिजर्व बैंक स्मारक डाक टिकट जारी करने के अवसर पर डॉ. दुव्वुरि सुब्बाराव, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिया गया स्वागत भाषण।

गवर्नर का स्वागत
भाषण

दुव्वुरि सुब्बाराव

4. रिज़र्व बैंक में पिछले 75 वर्षों में बहुत सारी बातें बदली हैं - हमारे कार्य और दायित्व और और हमारा कार्य करने का तरीका - किंतु कुछ बातें वैसी ही बनी हुई हैं; विशेष रूप से, व्यावसायिकता और निष्ठा जिसके साथ भारतीय रिजर्व बैंक अपने दायित्वों का पालन करता है। रिजर्व बैंक को आज जो उच्च सम्मान हासिल है वह बौद्धिक नेतृत्व और अनुवर्ती गवर्नरों की दूरदृष्टि के कारण है - जिनमें से कई आज हमारे साथ यहाँ उपस्थित हैं।

5. राष्ट्रपति महोदया, बैंक का प्लेटिनम जयंती वर्ष मनाने के लिए हमने पिछले आठ महीनों में पहलों और गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया है।यह समारोह तीन प्रकार से आयोजित किया गया।

6. पहला प्रकार सीखने की गतिविधियों का था ताकि भारतीय रिजर्व बैंक के एजेंडे के लिए समर्थन तैयार किया जा सके और इसे एक ज्ञान संस्था के रूप में प्रदर्शित किया जा सके।

7. दूसरा प्रकार आंतरिक गतिविधियों का सेट रहा है जिसमें रिजर्व बैंक के वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों में भारिबैं परिवार से संबंधित होने और समावेशन की भावना को पुनर्जागृत किया जा सके।

8. प्लेटिनम जयंती समारोह के अंतिम प्रकार और जो संभवतः सबसे ज्यादा टिकाऊ मूल्य होगा, वह पहुंच बढ़ाने का कार्यक्रम है। पहुंच बढ़ाने के कार्यक्रम का फोकस वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता पर रहा है। बैंक के शीर्ष प्रबंध तंत्र ने आम लोगों को सुनने, यह देखने और समझने के लिए कि जमीनी स्तर की संस्थाएं - स्व-सहायता महिला समूह, व्यष्टि वित्त संस्थाएं, गैर-सरकारी संगठन, ग्रामीण सहकारी संस्थाएं, क्षेत्रीय और मुख्यधारा के वाणिज्य बैंकों की ग्रामीण शाखाएं किस प्रकार कार्य करती हैं, और वित्तीय समावेशन की चुनौतियों और अवसरों को जानने के लिए देश भर में दूरदराज के गांवों की यात्रा की । बदले में, हमें भी लोगों को यह बतलाने का अवसर मिला कि रिजर्व बैंक क्या है और यह लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से कैसे जुड़ा हुआ है। मुझे कहना होगा कि लोगों से बात करना और उन्हें सुनना बहुत फायदेमंद रहा है और कुछ मायनों में हमारा अनुभव व्यापक हुआ है। इसके अलावा, पहुंच बढ़ाने के हमारे प्रयास हमारे लिए बहत मजेदार भी रहे हैं।

9. पहुंच बढ़ाने के कार्यक्रम का एक सबसे महत्वपूर्ण पाठ यह रहा है कि वित्तीय समावेशन सिर्फ एक सार्वजनिक अच्छाई ही नहीं बल्कि योग्यता संबंधी अच्छाई भी है। अब हम वित्तीय समावेशन के महत्व के प्रति पहले से भी ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। हमें इस चुनौती की विशालता का एहसास है। इसके साथ ही, यह विश्वास भी है कि हम इस चुनौती का सामना कर लेंगे।

10. एक बार पुनः, मैं माननीय राष्ट्रपति महोदया और सभी मेहमानों का दिल से स्वागत करता हूं जिन्होंने समय निकालकर रिजर्व बैंक की प्लेटिनम जुबली के इस मुख्य समारोह में अपनी उपस्थिति से इसकी महत्ता बढ़ाई।